भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †1122

सोमवार, 2 दिसम्बर, 2024/11 अग्रहायण, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

इको-पर्यटन और साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देना

†1122. श्री अमरसिंग टिस्सोः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार असम राज्य के कार्बी आंगलोंग और दीमा हसाओ जिलों में जो अपने समृद्ध प्राकृतिक परिदृश्य से समृद्ध है में इको-पर्यटन और साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने की योजना बना रही है;

(ख) उक्त जिलों में ट्रैकिंग, कैम्पिंग, पक्षी-विहार या वन्यजीव सफारी जैसी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए किसी विशिष्ट योजना का ब्यौरा क्या है;

(ग) असम राज्य के लैंगवोकू जलप्रपात, काको फॉल्स, उमरोंग्सो झील, खंडुली, कोहोरा रिज़ॉर्ट, बरेल रेंज जैसे प्रमुख प्राकृतिक स्थलों और कार्बी आंगलोंग, जतिंगा घाटी और दीमा हसाओ जिलों में दर्शनीय स्थलों को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों और प्रस्तावों/योजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार की उक्त जिलों में कम लोकप्रिय लेकिन सुंदर स्थलों को पर्यटक-अनुकूल स्थलों के रूप में विकसित करने की कोई योजना है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ङ): पर्यटन मंत्रालय विभिन्न पहलों के माध्यम से समग्र रूप से भारत का संवर्धन करता है। अपनी जारी गतिविधियों के भाग के रूप में; यह इको-पर्यटन और साहसिक पर्यटन सहित भारत के विभिन्न पर्यटन गंतव्यों और उत्पादों के संवर्धन के लिए नियमित रूप से अभियान चलाता है।

पर्यटन मंत्रालय ने इको एवं साहसिक पर्यटन के लिए भारत को एक पसंदीदा वैश्विक गंतव्य के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से इको-पर्यटन एवं साहसिक पर्यटन हेतु राष्ट्रीय कार्यनीतियां तैयार की हैं।

पर्यटन मंत्रालय स्वदेश दर्शन की अपनी योजना के तहत देश में पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों आदि को केन्द्रीय वित्तीय सहायता प्रदान करता है और इस योजना के तहत परियोजनाएं राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्रों के परामर्श, निधियों की उपलब्धता, उपयुक्त विस्तृत परियोजना रिपोर्टों के प्रस्तुति, योजना दिशा-निर्देशों के अनुपालन और पूर्व में जारी की गई निधियों के उपयोग आदि के अध्यधीन स्वीकृत की जाती हैं।

पर्यटन मंत्रालय ने असम राज्य में निम्नलिखित परियोजनाएं स्वीकृत की हैं:-

(i) विरासत थीम के तहत वर्ष 2016-17 में 90.98 करोड़ रु. की राशि से तेजपुर - मजौली - शिवसागर का विकास।

(ii) वन्यजीव थीम के तहत वर्ष 2015-16 में 94.68 करोड़ रु. की राशि से से मानस - पोबीतोरा - नामेरी - खाजीरंगा - डिब्रू - सैखोवा का विकास।

*****